

रत्नसागर

तुलसी साहब (हाथरस वाले) का,
जीवन चरित्र सहित

जिसमें

कुल रचना का भेद, वेद और शास्त्रों का
निरूपण, युगों का प्रभाव, चार खानि
और चौरासी लक्ष योनी का हाल, कर्मों
का हिसाब, जीव का फँसाव
उसके उबार की युक्ति, संत शरन
और सतसंग की महिमा, भेषों
की दशा इत्यादि, पूरी भाँति
से दिखाया है

[कोई साहब बिना इजाज़त के इस पुस्तक को नहीं छाप सकते]

All Rights Reserved.

इलाहाबाद

बेलवेडियर स्टीम प्रिंटिंग वर्क्स में प्रकाशित हुआ
सन् १९१६

दूसरी बार]

दाम ॥१॥